Fostering Inclusion

गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन

व्यापक दिव्यांग पुनर्वास कार्यक्रम, उत्तर प्रदेश

फाउंडेशन के बारे में

गिफ्टएबल्ड समान विचारधारा वाले व्यक्तियों का एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास करता है ताकि हम सामूहिक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक समावेशी समाज का निर्माण कर सकें।

हमारा उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को इस तरह सशक्त बनाना है कि वे गरिमा और आत्म सम्मान के साथ जीवन जी सकें!

गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन

GiftAbled
Fostering Inclusion

हमारे उत्पाद/ निर्माण

स्वतंत्रा परियोजना के अंतर्गत (आजीविका के संसाधन)

- दिव्यांगजनों के द्वारा बैग बनाने और प्रिंट करने के बाद विक्रेता को देना
- शुद्ध देसी आंवले का मुरब्बा बनाने और बेचने का प्रशिक्षण
- आंवले की कैंडी बनाने का प्रशिक्षण

वाहन की आवश्यकता

जनवरी माह में हमारी संस्था ने दो वाहन खरीदे हैं जिससे दिव्यांगजनों को उनके घर से लाने के लिए वाहन की सुविधा और उसी वाहन से उनको उनके घर वापस छोड़ने की सुविधा उपलब्ध करायी जाती है.

नॉन-वोवन कैरी बैग बनाने का प्रशिक्षण

- अच्छी गुणवत्ता वाले फैब्रिक से निर्माण किए गए कैरी बैग
- गुणवत्ता के आधार पर भी नान ओवन कैरी बैग, प्लास्टिक कैरी बैग की तुलना में अधिक मजबूत, स्टाइलिश व टिकाऊ और बायोडिग्रेडेबल भी होते हैं
- इसका उपयोग पर्यावरण में प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य व प्लास्टिक कैरी बैग के विकल्प के रूप में किया गया है

Gift Abled

Fostering Inclusion

फ्लैगशिप कार्यक्रम

- भारत सरकार और गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन ने मिलकर जिला बलरामपुर में अनुसूचित जाति, जनजाति एवं दिव्यांग लोगों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें भारत सरकार की तरफ से डॉक्टर के के धनवंदन उपस्थित रहे
- 19 जनवरी 2023 को यह कार्यक्रम गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन बलरामपुर के परिसर में संपन्न हुआ
- इस कार्यक्रम के जरिए प्रतिभागियों को केंद्र सरकार के विभिन्न योजनाओं और लाभों, अत्याचार निवारण अधिनियम, दिव्यांग जनों के अधिकार अधिनियम, लाभ सहायता एवं उपकरणों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई

गणतंत्र दिवस समारोह

26 जनवरी को हम अपने कर्मचारियों, लाभार्थियों और बलरामपुर के लोगों के साथ 74 वां गणतंत्र दिवस मनाया हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी रहीं। हम सभी ने बहुत ही हर्ष एवं उल्लास के साथ अपने देश के तिरंगे झंडे को फहराएं और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह हम सभी के लिए एक महान और शुभ अवसर है। हमनें एक-दूसरे को बधाई दिया और अपने राष्ट्र के विकास और समृद्धि के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया।

रोजगार परक कम्प्यूटर कोर्स

Gift Abled
Fostering Inclusion

कंप्यूटर के बारे में सीखेंगे जैसे की –

- कंप्यूटर डाटा ऑपरेटिंग
- वर्ड पैड, नोटपैड
- ऑपरेटिंग सिस्टम (विंडोज़, लिनक्स)
- एमएस ऑफिस (एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, एमएस पॉवरपॉइंट)
- इंटरनेट (खोज, ईमेल खाते का उपयोग, सोशल नेटवर्किंग साइट बनाना, कंप्यूटर नेटवर्किंग आदि)
- यह हमारा दूसरा बैच है जिसमें 15 से ज्यादा दिव्यांगजन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं
- हमारे पहले बैच से 6 दिव्यांगजन सम्मान सहित रोजगार पा चुके हैं

सबसे अच्छी बात तो यह की इस कोर्स को छात्र/छात्रा से लेकर गृहणी तक कोई भी कर सकता है।

मशरूम खेती का प्रशिक्षण

Gift Abled
Fostering Inclusion

- दिब्यांग जनों को मशरूम खेती के प्रशिक्षण के माध्यम से बदलते मौसम में खेती से रोजगार प्राप्त करने में सक्षम बनाना
- मशरूम कम्पोस्ट बनाने से लेकर उगाने तक की विधिवत जानकारी दिब्यांगजनों को आसान भाषा और शैली में देना
- मशरूम कटाई और पैकिंग प्रशिक्षण
- मशरूम बेचने के लिए बाजार से जोड़ना
- दिव्यांगजनों के द्वारा 50 किलोग्राम से ज्यादा उच्च गुणवत्ता वाला मशरूम उगाया जा चुका हैं

कार्य, अक्षमता और स्वास्थ्य के अंतर-राष्ट्रीय वर्गीकरण [आईसीएफ (ICF) क्या है]?

Gift Abled
Fostering Inclusion

विकलांगों को पेशेवर, कार्यकर्ता और माता-पिता।हमेशा अलग-अलग कोणों से देख गया है|

लड़ाई जैविक पर्यावरण और व्यक्ति उन्मुख दृष्टिकोण से हुई है. ICF का उद्देश्य इन्हें एकीकृत करना है और अवधारणाओं सभी वर्गों के लिए एक आम भाषा प्रदान करें ताकि सभी की हिस्सेदारी हो

और धारक जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए काम करें

विचार में इस बदलाव के कारण स्वास्थ्य को बीमारी की अनुपस्थिति और कल्याण की उपस्थिति के रूप में देखने के बजाय किसी भी हानि के साथ देखभाल, प्रबंधन और मुकाबला करने के रूप में परिभाषित किया गया। उपचारात्मक सोच के बजाय भागीदारी के नजरिए से विकलांगों के बारे में सोचने का मतलब है कि हर बच्चे को जो वह नहीं कर सकता, उसके बजाय वह क्या कर सकता/सकती है, इसके लिए उसे अवसर और पहचान प्राप्त करें

मस्तिष्क की संरचनात्मक दुर्बलताओं को हमेशा हटाया या प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है|

उन्हें व्यक्ति और उसके कामकाज की संभावनाओं के साथ इष्टतम कार्यक्षमता प्राप्त करने में प्रबंधित किया जा सकता है। इस से विशेष आवश्यकता वाले बच्चे को प्रतिबंधों और सीमाओं के बावजूद वे जो कर सकते हैं, करने के लिए विलक्षण रूप से प्रगतिशील दृष्टिकोण का नेतृत्व किया है, यह सोच उन्हें सहायक तकनीक का उपयोग करके और गतिविधियों में बाधाओं को दूर करने के लिए सामाजिक भूमिकाओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करती है।

यह दृष्टिकोण माता-पिता, पेशेवरों और नीति निर्माताओं के लिए विकलांगता से निपटने का एक आसान तरीका बनाता है ताकि विकलांग व्यक्तियों के बढ़ने के साथ उनके लिए उत्पादक जीवन का लक्ष्य रखा जा सके।

कार्य, अक्षमता और स्वास्थ्य के अंतर-राष्ट्रीय वर्गीकरण [आईसीएफ (ICF) क्या है]?

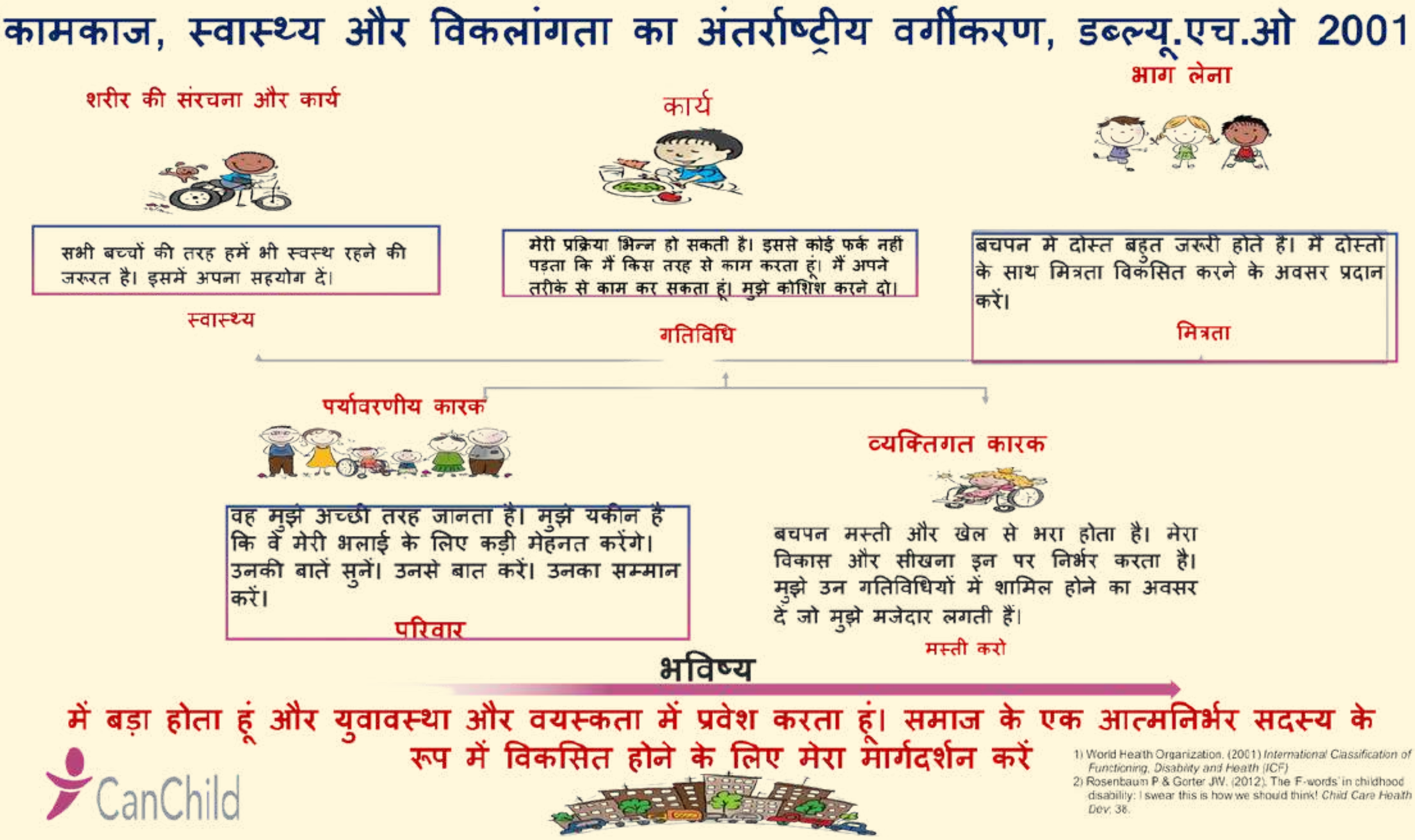

हमारी सफलताएं - प्रशंसापत्र

Gift Abled
Fostering Inclusion

कमलेश कुमारी

मेरा नाम कमलेश कुमारी है और मैं दोनों पैरों से दिव्यांग हूं। मैं फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश की निवासी हूं। मैंने डॉ भीम राव अंबेडकर यूनिवर्सिटी आगरा से 2019 में स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की है। बचपन से ही मेरी दिव्यंगता मुझे बोझ जैसी लगती थी फिर मुझे गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन की जानकारी मिली। जिसके साथ जुड़ने के बाद मुझमें एक नई उमंग और जीने की नई उम्मीद जागृत हुई।

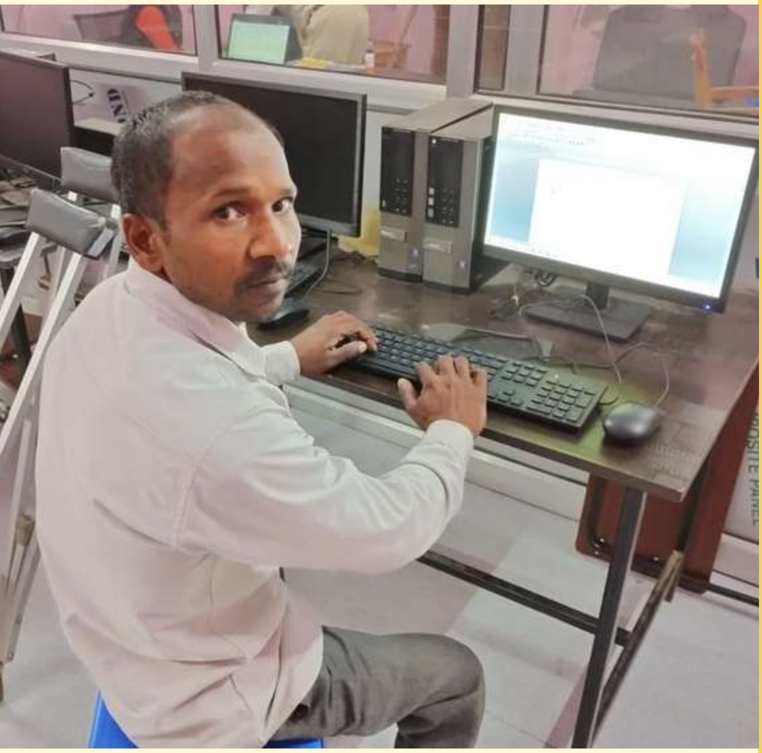

संतोष कुमार

मेरा नाम संतोष कुमार है और मैं अस्थि दिव्यांग हूं। मैं कर्नलगंज गोंडा, उत्तर प्रदेश का निवासी हूं। मैंने परास्नातक की परीक्षा डॉ राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी से पास किया है। दिव्यंगता के कारण हमको समाज में बराबर का स्थान नहीं मिल पाया। जिससे हमको कई बार मानसिक प्रताड़ना का भी सामना करना पड़ा। मैं जब गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन से जुड़ा उसके बाद मेरे अन्दर बहुत बदलाव आया है। अब मैं समाज में अपने आप को और लोगों के बराबर महसूस करता हूं। मैं गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन का बहुत आभारी रहूंगा।

हमारी सफलताएं - प्रशंसापत्र

अनंतराम

मेरा नाम अनंतराम है, मैं दोनों पैरों से दिव्यांग हूं। मैं गांव सामदा, बलरामपुर का निवासी हूं। गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन में जुड़ने से पहले मैं खेतों में काम करता था और मेरी कोई आमदनी नहीं थी। पिछले 2 महीने से, मैं गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन में बैग बनाने का काम करता हूं, पहले मुझे सुई में धागा डालना और कैंची पकड़ना नहीं आता था। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, अब मैं खुद से बैग का कपड़ा काटकर सिल लेता हूं। इसके लिए मैं गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

रीना कश्यप

मेरा नाम रीना कश्यप है। मैं गांव शेखरपुर, बलरामपुर की निवासी हूं। मैं पिछले 8 महीने से गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन से जुड़ी हूं। गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन में जुड़ने से पहले, घर का कामकाज करती थी। मैंने यहां सिलाई का काम सीखा है, जिसमें लेडीज कपड़े जैसे सूट, सलवार, प्लाजो, फ्रॉक और जूट का बैग इत्यादि बनाना सिखा। अभी मैं स्वेटर बनाने का प्रशिक्षण ले रही हूं। मैं गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन को धन्यवाद देती हूं जिसने मुझे इस तरह का प्रशिक्षण निशुल्क प्रदान किया।